Rohtas Mahila College, Sasaram. 06-07-21
Dr. Aman Murmu, Dept of Psychology, B.A. Part I H, Pg. I

(Topic: बुद्धि की परिभाषा तथा स्वरूप) - बुद्धि की परिभाषा तथा उसके स्वरूप के सम्बन्ध में प्रारंभ से ही मनोवैज्ञानिकों के मतभेद रहा है। लेकिन मनोवैज्ञानिकों ने अपने अपने ढंग से बुद्धि को परिभाषित किया है। आज बुद्धि की अनेक परिभाषाएँ उपलब्ध है जो अग्रलिखित है।

(i) बुद्धि एक अभियोजन योग्यता (Intelligence: an ability to adapt):- इस वर्ग की परिभाषाओं के अनुसार अभियोजन की योग्यता को बुद्धि कहते हैं। अभियोजन का अर्थ वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं अथवा तथा बाह्य वातावरण के बीच संतुलन स्थापित करता है। अतः जो व्यक्ति इस अभियोजन प्रक्रिया में अधिक सफल होता है उसमें बुद्धि अधिक होती है और जो व्यक्ति इसमें कम सफल होता है, उसमें बुद्धि कम होती है। बुद्धि एक अनुमानित चीज है, जिसकी जानकारी व्यक्ति की अभियोजन की मात्रा से होती है। स्पष्ट है कि इस वर्ग की परिभाषाओं के अनुसार अभियोजन ही बुद्धि का आधार है। स्टर्न (Stern, 1914) के अनुसार "नई आवश्यकताओं में चेतन रूप से अपने चिंतन को अभियोजित करने की सामान्य योग्यता ही बुद्धि है। पिन्टर (Pintner, 1914) ने भी अभियोजन की योग्यता को ही बुद्धि माना है। उनके अनुसार "जीवन में नई परिस्थितियों में अपने आपको समुचित रूप से अभियोजित करने की योग्यता को बुद्धि कहते हैं।

(ii) बुद्धि सीखने की योग्यता है (Intelligence: an ability to learn):- इस वर्ग की परिभाषाओं के अनुसार सीखने की योग्यता ही बुद्धि है। जो व्यक्ति किसी विषय को जल्दी सीख लेता है, उसकी बुद्धि अधिक होती है। इसी तरह विश्वास किया जाता है कि जो व्यक्ति जटिल विषयों को सीखने में सफल होता है, उसकी बुद्धि अधिक होती है। इसके विपरीत जो व्यक्ति देर से सीखता है या जटिल

Scanned with CamScanner

विजय को नहीं जीत पाता है, उसे मन्द बुद्धि का समझा जाता है। बर्किंघम (Barringham) ने बुद्धि की परिभाषा देते हुए कहा "जीवन की योग्यता ही बुद्धि है।" गोडार्ड (Goddard, 1942) ने भी जीवन की योग्यता को ही बुद्धि माना।

(iii) कुछ बुद्धि: चिंतन योग्यता (Intelligence: ability to think):- इस वर्ग की परिभाषाओं के अनुसार चिंतन की योग्यताओं को बुद्धि कहते हैं। विश्वास किया जाता है कि तेज बुद्धि का व्यक्ति अपनी समस्या का समाधान जल्दी करता है। यह भी विश्वास किया जाता है कि जिस व्यक्ति में अमूर्त चिंतन की योग्यता अधिक होती है, वह अधिक बुद्धिमान होता है। जिस व्यक्ति में अमूर्त चिंतन की योग्यता कम होती है, उसमें बुद्धि भी कम होती है। टर्मन (Terman, 1921) ने इसी अर्थ में बुद्धि को परिभाषित किया है। उनके अनुसार "अमूर्त चिंतन करने की योग्यता ही बुद्धि है।

(iv) बुद्धि: एक समग्र योग्यता (Intelligence: a Global capacity):- इस वर्ग की परिभाषाओं के अनुसार बुद्धि एक समग्र योग्यता है जो व्यक्ति को भिन्न भिन्न रूपों में मदद करती है। यही योग्यता व्यक्ति को कभी सीखने में, याद करने में, चिंतन करने में, और कभी अभियोजन करने में सहायता करती है। जिस तरह एक ही विद्युत धारा (electric current) कहीं प्रकाश के रूप में, कहीं हवा के रूप में, और कहीं आग के रूप में नजर आती है उसी तरह बुद्धि कहीं शिक्षण के रूप में, कहीं समझ के रूप में, कहीं चिंतन के रूप में और कहीं अभियोजन के रूप में व्यक्ति की सहायता करती है। वेश्लर (Wechsler, 1944) ने इसी अर्थ में बुद्धि को परिभाषित किया है। उनके शब्दों में "बुद्धि व्यक्ति की वह समग्र क्षमता है जो उसे उद्देश्यपूर्ण

कार्य, विवेकपूर्ण चिंतन तथा प्रभावपूर्ण अभियोजन में सहायता करती है।" इसी तरह कगन तथा हेवमैन (Kagan and Haveman, ~~1974~~ 1974) ने भी बुद्धि का व्यवहार एक समग्र अर्थ में किया है। उन्होंने बुद्धि की परिभाषा देते हुए कहा है " पूर्व अनुभव से लाभ उठाने, नई सूचना सीखने तथा नई परिस्थिति में अभियोजन स्थापित करने की योग्यता ही बुद्धि है।" रेक्सनाइट (Rexknight), हसबैन्ड (Husband) आदि ने भी बुद्धि को एक समग्र योग्यता माना है जो व्यक्ति को भिन्न भिन्न रूपों में ~~सहायता~~ सहायता करती है।

Scanned with CamScanner